Ch-5

3/9/2022

PANKAJ

Page No.:

Date : / /

(4.) नेपाल में राजतंत्र और लोकतंत्र :—

⇒ नेपाल अतीत में एक हिन्दू राज्य था, आधुनिक काल में सन् 1990 तक यहाँ संवैधानिक राजतन्त्र रहा

⇒ कुछ समय बाद राजा की सेना, लोकतंत्र समर्थकों और माओवादियों के बीच त्रिकोणीय संघर्ष हुआ।

⇒ सन् 2002 में नेपाल के राजा ने संसद को भंग कर लोकतन्त्र को समाप्त कर दिया।

⇒ अप्रैल, 2006 में नेपाल में देशव्यापी लोकतन्त्र समर्थक प्रदर्शन हुए अहिंसक रहे इस आन्दोलन का नेतृत्व सात दलों के गठबन्धन माओवादी एवं सामाजिक कार्यकर्ताओं ने किया।

⇒ अंतत! 2008 में नेपाल राजतंत्र को खत्म करने के बाद लोकतांत्रिक गणराज्य बन गया।

⇒ 2015 में नेपाल ने नया संविधान अपनाया।

(5.) श्रीलंका में जातिय संघर्ष और लोकतंत्र :—

⇒ सन् 1948 में अपनी स्वतन्त्रता के पश्चात से ही श्रीलंका को सिंहली व तमिलों के बीच जातीय संघर्ष की समस्या का सामना करना पड़ा है।

⇒ श्रीलंका की राजनीति में बहुसंख्यक सिंहली समुदाय का वर्चस्व है। इन लोगों का मत था कि श्रीलंका केवल सिंहली लोगों का है। अंत: तमिलों के साथ कोई सहानुभूति न बरती जाये।

⇒ सन 1983 के बाद से उग्र तमिल संगठन "लिबरेशन टाइगर्स ऑफ तमिल ईलम" (लिट्टे) श्रीलंकाई सेना के साथ सशस्त्र संघर्ष कर रहा है। इसने "तमिल ईलम" यानी श्रीलंका के तमिलों के लिए एक अलग देश की माँग की है।

⇒ अंततः अंतर्राष्ट्रीय मध्यस्थता के बाद सशस्त्र संघर्ष समाप्त हो गया क्योंकि 2009 में लिट्टे को खत्म कर दिया गया।

⇒ संघर्षों की चपेट में होने के बावजूद श्रीलंका में विकास दर उच्च है।

(6.) भारत - पाकिस्तान संघर्ष :—

⇒ दक्षिण एशिया में भारत की केन्द्रिय स्थिति होने के कारण अधिकांश संघर्षों का रिश्ता भारत से है।

⇒ भारत और पाकिस्तान के मध्य संघर्ष का मुख्य मुद्दा कश्मीर है। 1948 के युद्ध के बाद कश्मीर के दो हिस्से हो गए।

⇒ 1971 में भारत - पाकिस्तान युद्ध हुआ। (बांग्लादेश)

⇒ सामरिक मसलों में जैसे - सियाचिन ग्लेशियर पर नियन्त्रण एवं हथियारों की होड़, परमाणु परिक्षण आदि।

⇒ 1960 में विश्व बैंक की मदद से भारत और पाकिस्तान ने "सिंधु - जल संधि" पर दस्तखत किए। इसी दशक में कच्छ के रन में सरहदी रेखाओं को लेकर दोनो में विवाद है।

⇒ भारत और पाकिस्तान में इन सभी मामलों पर वार्ताओं का दौर चल रहा है।